राष्ट्रीय मृदा स्पेक्ट्रल पुस्तकालय का उद्घाटन

नागपुर| आईसीएआर-एनबीएसएस एवं एलयूपी में राष्ट्रीय मृदा स्पेक्ट्रल लाइब्रेरी का आधिकारिक उद्घाटन डॉ. बी.एस. द्विवेदी, सदस्य, एएसआरबी, भारत सरकार, नई दिल्ली और डॉ. एन.जी. पाटिल, निदेशक, आईसीएआर-एनबीएसएस एवं एलयूपी, नागपुर द्वारा किया गया। इस राष्ट्रीय पुस्तकालय का मुख्य उद्देश्य मृदा विश्लेषण और प्रबंधन में क्रांति लाना है, इसमें देश भर की विभिन्न प्रकार की मिट्टी से उनके गुणों और दृश्यमान और एनआईआर स्पेक्ट्रा के साथ क्यूआर कोडित मिट्टी के नमूनों का एक विशाल संग्रह शामिल है। यह मिट्टी के पारंपरिक रासायनिक विश्लेषण के लिए त्वरित और कम लागत वाला पूरक प्रदान करेगा। यह अभूतपूर्व संसाधन मृदा स्वास्थ्य, फसल उत्पादन और पर्यावरणीय स्थिरता को अनुकूलित करने में शोधकर्ताओं, नीति निर्माताओं और कृषि विशेषज्ञों को सशक्त बनाने के लिए तैयार है। अपने व्यापक डेटाबेस के साथ, राष्ट्रीय मृदा स्पेक्ट्रल लाइब्रेरी वैश्विक कृषि चुनौतियों से निपटने के लिए नवीन समाधानों का वादा करते हुए, मृदा विज्ञान में एक नए युग की शुरुआत करती है। ये पुस्तकालय मृदा अध्ययन की एक श्रृंखला के लिए एक मूल्यवान संसाधन हैं, जिसमें कार्बन मूल्यांकन, उर्वरक और कटाव अध्ययन और समय के साथ मिट्टी की स्थिति में परिवर्तन का अध्ययन करना शामिल है। इसकी संकल्पना डॉ. ब्यूरो के रिमोट सेंसिंग डिवीजन के निर्मल कुमार और जीपी ओबी रेड्डी द्वारा की गई है। इस अवसर पर डॉ. ए. नटराजन, भूमि संसाधन सूची सलाहकार, रिवॉर्ड कार्यक्रम, विश्व बैंक, डॉ. एमएसएस नागराजू, पूर्व प्रमुख, आरएसए प्रभाग, डॉ. एस. वाडिवेलु, पूर्व प्रमुख, क्षेत्रीय केंद्र और क्षेत्रीय केंद्रों के प्रमुख - डॉ. वी. राममूर्ति और डॉ. बी. एल. मीना एवं ब्यूरो के वैज्ञानिक उपस्थित थे।

दैनिक भास्कर
Fri, 23 February 2024
https://epaper.bhaskarhindi.com/c/74613138